बालमन

कैमूर

Powered by Teachers of Bihar

वर्ष 2023

माह मई

अंक 17

प्रधान संपादक :- धीरज कुमार [U.M.S. सिलौटा भभुआ (कैमूर)]

Dheeraj Kumar- +91 9431680675

Teachers of Bihar - +91 7250818080

info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

wwww.teachersofbihar.org

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-9544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

वर्तमान में गर्मी के इस मौसम में कभी बारिश तो कभी धूप के कारण अचनाक तापमान परिवर्तन से आप सभी भी प्रभावित हो रहे है।हमे इसके बारे में सोचना होगा और खुद को स्वस्थ भी रखना होगा। मौसम विभाग के अनुसार मई महीने में तापमान में वृद्धि होगी।आप सभी खुद को गर्म हवा से बचाएंगे और दोपहर में खेलने से परहेज़ करेंगे।मैने कुछ बच्चों को नंगे पांव स्कूल आते देखा है।मन बहुत दुखी हो जाता है।मैं अभिभावकों और शिक्षको से अनुरोध करना चाहूंगा कि इस दिशा में जागरूकता लाने का प्रयास करने की कृपा करेंगे।आप स्वस्थ और सही रहेंगे तभी पढ़ाई भी अच्छे से करेंगे।

दिन - प्रतिदिन बालमन टीम द्वारा प्राप्त पोस्ट से आपके उत्साह को देख कर मुझे बहुत खुशी हो रही है।हमारा बाल मन परिवार लगातार बढ़ता ही जा रहा है।।हम सभी बाल मन की टीम सदैव आप सभी की प्रतिभा को सम्मानित करते हुए उसे प्रकाशित कर रहे है।

पत्रिका के इस अंक को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है।यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक जरूर पहुंचाए।

हमारी TOB बाल मन कैमूर पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है।हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

आपका
धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ(कैमूर)

प्रधान सहयोगी सदस्य

विज्ञान कॉर्नर

1.राजेश कुमार सिंह (महाबल भृगनाथ +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय भभुआ)
2.प्रतिभा पाण्डेय (महाबल भृगनाथ +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय भभुआ)

दर्शनीय स्थल की जानकारी

1.कुमार राकेश मणि (UMS कोटा नुआंव)
2.राजेश कुमार सिंह (महाबल भृगनाथ +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय भभुआ)

रोचक गणित

कुमार राकेश मणि (UMS कोटा नुआंव)
धीरज कुमार(UMS सिलौटा भभुआ)

कविता संग्रह

.अशोक कुमार (NPS भटवलिया नुआंव)

बाल कविता

सुरभि पटेल (छात्रा UMS सिलौटा भभुआ)

विशेष आभार

टीचर्स ऑफ बिहार परिवार के सभी टीम लीडर रोचक तथ्य,स्वास्थ्य सुझाव, विश्व के धरोहर,सुविचार,दिवस विशेष,खेल कॉर्नर,गणित कॉर्नर,जयंती विशेष ,दिवस प्रेरणा,पर्यावरण अध्ययन और शिक्षा शब्द कोश के लिए टीम का विशेष आभार प्रकट करते है।

सुविचार

नई दुनिया के निर्माण के लिए शिक्षा भी नए प्रकार की होनी चाहिए।

\- महात्मा गांधी

Vishwa Vijay Singh

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंजिल से,
सब नजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखरेगी
और प्रतिभा सबकी निखरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्रधनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही हैं
जो हजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

बड़ा पद

पिता अपने बेटे के साथ पांच-सितारा होटल में प्रोग्राम अटेंड करके कार से वापस जा रहे थे। रास्ते में ट्रेफिक पुलिस हवलदार ने सीट बैल्ट नहीं लगाने पर रोका और चालान बनाने लगे।

पिता ने सचिवालय में अधिकारी होने का परिचय देते हुए रौब झाड़ना चाहा तो हवलदार जी ने कड़े शब्दों में आगे से सीट बैल्ट लगाने की नसीहत देते हुए छोड़ दिया। बेटा चुपचाप सब देख रहा था।

रास्ते में पिता "अरे मैं आइएएस लेवल के पद वाला अधिकारी हूं और कहां वो मामूली हवलदार मुझे सिखा रहा था, मैं क्या जानता नहीं क्या जरुरी है क्या नहीं, बडे अधिकारियों से बात करना तक नहीं आता, आखिर हम भी जिम्मेदारी वाले बड़े पद पर हैं भई !!" बेटे ने खिड़की से बगल में लहर जैसे चलती गाडियों का काफिला देखा, तभी अचानक तेज ब्रेक लगने और धमाके की आवाज आई।

पिता ने कार रोकी, तो देखा सामने सड़क पर आगे चलती मोटरसाइकिल वाले प्रोढ़ को कोई तेज रफ्तार कार वाला टक्कर मारकर भाग गया था। मौके पर एक अकेला पुलिस का हवलदार उसे संभालकर साइड में बैठा रहा था।

खून ज्यादा बह रहा था, हवलदार ने पिता को कहा "खून ज्यादा बह रहा है मैं ड्यूटि से ऑफ होकर घर जा रहा हूं और मेरे पास बाईक नहीं है, आपकी कार से इसे जल्दी अस्पताल ले चलते हैं, शायद बच जाए।"

बेटा घबराया हुआ चुपचाप देख रहा था। पिता ने तुरंत घर पर इमरजेंसी का बहाना बनाया और जल्दी से बेटे को खींचकर कार में बिठाकर चल पड़ा।

बेटा अचंभित सा चुपचाप सोच रहा था कि बड़ा पद वास्तव में कौन सा है !! पिता का प्रशासनिक पद या पुलिस वाले हवलदार का पद जो अभी भी उस घायल की चिंता में वहां बैठा है...

अगले दिन अखबार के एक कोने में दुर्घटना में घायल को गोद में उठाकर 700 मीटर दूर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने वाले हवलदार की फोटो सहित खबर व प्रशंसा छपी थी। बेटे के होठों पर सुकुन भरी मुस्कुराहट थी, उसे अपना जवाब मिल गया था।

सोशल मीडिया से

"OK" शब्द की खोज 1839 में हुई थी। जब एक न्यूज़ पेपर ने मजाक- मजाक में Oll Korrect को Ok लिख दिया था। दरअसल, उस समय गलत स्पेलिंग लिखने का फैशन था और लोग All Correct की जगह Oll Korrect लिख रहे थे यहीं से "Ok" शब्द बना।

5 अंतर खोजे

आप तैयार है न...

स्वास्थ्य सुझाव

अमरेंद्र कुमार

प्रतिरक्षा बढ़ाती हैं तुलसी की पत्तियां

तुलसी की पत्तियों को संक्रमण से सुरक्षा देने के साथ प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में बेहद कारगर माना जाता है। आयुर्वेद के साथ विज्ञान भी तुलसी के स्वास्थ्य लाभों को प्रमाणित कर चुका है। तुलसी की पत्तियों में पाए जाने वाले फाइटोकेमिकल्स, फ्लेवोनोइड्स और एंटीऑक्सिडेंट यौगिक कई प्रकार के गंभीर रोगों से शरीर को सुरक्षित रखती हैं। इसमें विटामिन ए, सी के साथ कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, आयरन और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं जिनका शरीर के लिए विशेष महत्व होता है।

Teachers of Bihar

The change makers

विश्व के धरोहर एवं रोचक तथ्य

विश्व के धरोहर

एरावतेश्वर मंदिर

ऐरावतेश्वर मंदिर, द्रविड़ वास्तुकला का एक हिंदू मंदिर है जो दक्षिणी भारत के तमिलनाडु राज्य में कुंभकोणम के पास दारासुरम में स्थित है। 12वीं सदी में राजराजा चोल द्वितीय द्वारा निर्मित इस मंदिर को तंजावुर के बृहदीश्वर मंदिर तथा गांगेयकोंडा चोलापुरम के गांगेयकोंडाचोलीश्वरम मंदिर के साथ यूनेस्को द्वारा वैश्विक धरोहर स्थल बनाया गया है; इन मंदिरों को महान जीवंत चोल मंदिरों के रूप में जाना जाता है।

रोचक तथ्य

बिना सिर के कॉकरोच एक सप्ताह तक जीवित रह सकता है

कॉकरोच अपनी मेहनत के लिए प्रसिद्ध होते हैं। इनका परिसंचरण तंत्र *(circulatory system)* खुला होता है, इसलिए ये वे अपने शरीर के प्रत्येक खंड में स्थित छोटे छिद्रों से सांस लेते हैं, वे सांस लेने के लिए मुंह या सिर पर निर्भर नहीं होते हैं। इसलिए कॉकरोच एक सप्ताह या इससे अधिक दिनों तक जिंदा रह सकता है। कॉकरोच केवल इसलिए मरता है क्योंकि मुंह के बिना वह पानी नहीं पी सकता और प्यास से मर जाता है।

अमरेन्द्र कुमार
डिस्ट्रिक्ट मेंटर (TOB)
रोहतास

ToB बालमन नन्हें कलाकार

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर मोहनियां

PS Mohammadpur block mohania renu Kumari shniwasriy activity Chandni shiwani bandhani Sona Abhishek dawra kagaj ka Abhushan or kalakriti ya

नन्हे कलाकार भाग 2

मध्य विद्यालय नीमी भभुआ class 06 की बालिका पूजा कुमारी ने बनाया है इन खिलौने को....

UHS हरदासपुर कुदरा

प्राथमिक विद्यालय कठौरा भभुआ

नन्हे कलाकार भाग 3

UMS सिलौटा भभुआ

PS Mohammadpur block mohania
class 5 chadni Kumari

PS Mohammadpur block mohania

नन्हे कलाकार भाग 4

शुभम कुमार वर्ग 6 उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा

क्षमा कुमारी ,वर्ग 7 ,उत्क्रमित मध्य विद्यालय -खजरा

Ruchi sharma , class-9, higher secondary school bamhaur, mohania ,kaimur

लू /गर्म हवा से बचाव

बिहार सरकार

आपदा प्रबंधन विभाग

लू / गर्म हवाओं से बचाव

- धूप में जाते वक्त हल्के रंग के कपड़े पहनें
- तेज धूप में सिर को ढक कर रखें
- हल्का भोजन और मौसमी फलों का सेवन करें
- मवेशियों को दोपहर में बाहर नहीं निकालें
- बच्चों और पालतू जानवरों को बंद वाहनों में ना छोड़ें
- लू लगने पर शरीर को बार-बार ठंडे पानी से पोछें या नहाएं
- लू के लक्षण (चक्कर एवं उल्टी आना) दिखने पर अस्पताल जाएं

पानी पीते रहें, इसके साथ नमक-चीनी का घोल, छाछ, नींबू-पानी एवं आम पन्ना का नियमित सेवन करें

बिहार सरकार की योजनाएं

#BiharDisasterManagementDept /iprdbihar @iprd_bihar

चमकी को धमकी

स्वास्थ्य विभाग बिहार सरकार
चमकी को धमकी
चमकी को धमकी
ये 3 धमकियाँ याद रखो!
खिलाओ
1
बच्चों को रात में सोने से पहले खाना जरूर खिलायें
जगाओ
2
सुबह उठते ही बच्चों को भी जगायें और देखें, बच्चा कहीं बेहोश या उसे चमकी तो नहीं
अस्पताल ले जाओ
3
बेहोशी या चमकी दिखते ही तुरंत एम्बुलेंस या नजदीकी गाड़ी से अस्पताल ले जायें
नि:शुल्क एम्बुलेंस हेतु 102 डॉयल करें।
राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार

इस गर्मी हम मिल के देंगे
चमकी को धमकी

ToB बालमन कैमूर

अज़ब-गज़ब

1.कंगारू जमीन पर चलने के साथ -साथ पानी में भी तैरना जानता है।

2. मात्र 14 वर्ष की छोटी उम्र में भाविका राजेश माहेश्वरी ने सबसे कम उम्र में 3000 कैदियों को जेल में विचार शुद्धि कथा करके विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

3. हाथी को कोई भी वस्तु दोगुनी बड़ी दिखाई देती है।

4. जापान में वयस्क लोगों को भी गोद लिया जाता है जिससे वो फॅमिली बिज़नेस चला सकें।

5.पूरी उम्रभर में हमारे मुँह में इतनी लार बनती है जिससे दो स्विमिंग पूल भर जाए।

धीरज कुमार
UMS सिलौटा भभुआ कैमूर

ToB बालमन कैमूर

थोड़ा मुस्कुरा भी दो ....

1. दो मित्र आपस में बात कर रहे थे...

बंटी : यार बबलू मैं लंदन जाने की सोच रहा हूं।

बबलू : ये तो बहुत अच्छा है,लंदन जाने में कितना खर्च आएगा और क्या -क्या ले जाना होगा?

बंटी : एक पैसा नही और कोई सामान भी नही। भला सोचने में कैसा पैसा और समान ....

....

2. रामू : इस दुनिया में कोई भी इंसान शाकाहारी नही है ।

श्यामू : क्यों ?

रामू :क्योंकि थोड़ा बहुत दिमाग तुम भी खाते हो तब तो हर कोई किसी का किसी का दिमाग ज़रूर खाता होगा ।

स्रोत: सोशल मीडिया

चेतना सत्र

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा, मोहनिया

PS Mohammadpur block mohania

UMS सिलौटा भभुआ

राजकीयकृत मध्य विद्यालय डहरक रामगढ

पेंटिंग ऑफ द मंथ

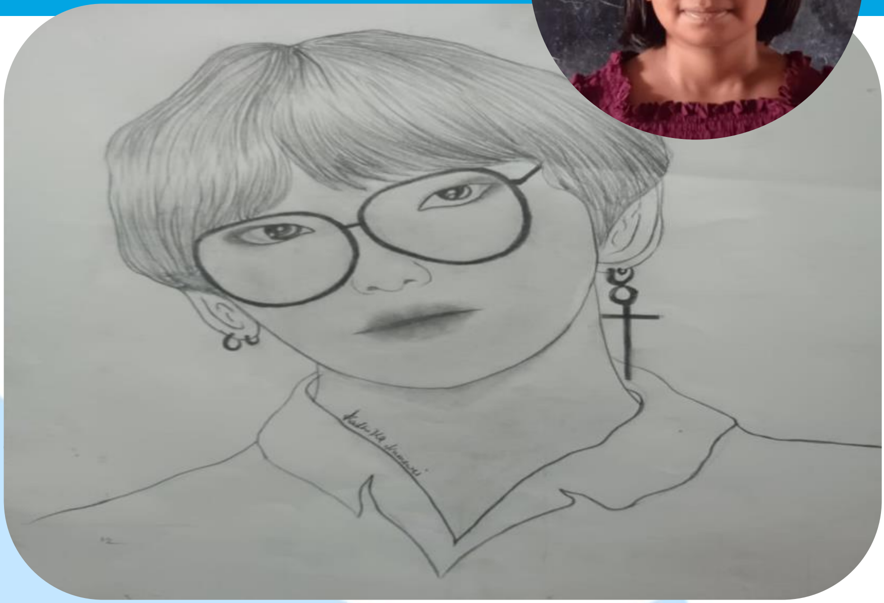

राधिका कुमारी
वर्ग 7
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरैया
भगवानपुर कैमूर

आपके पेंटिग भाग 1

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा, मोहनिया

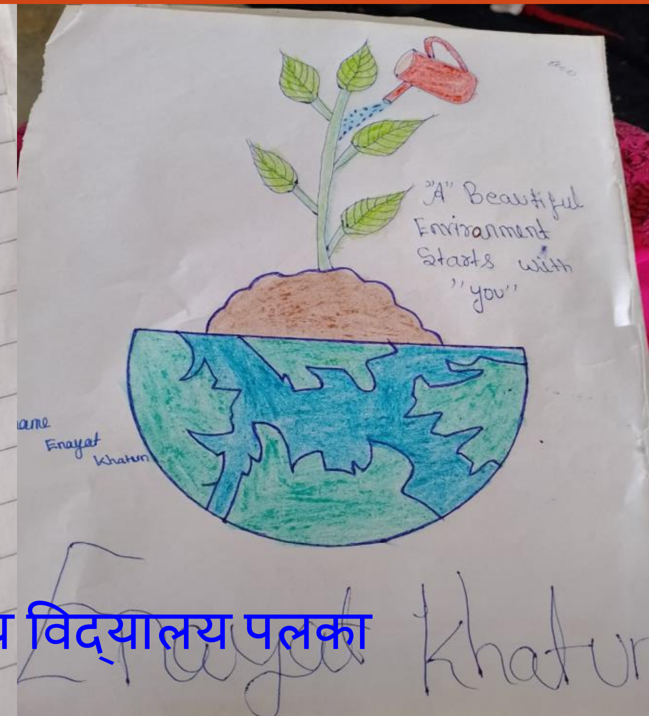

उत्क्रमित मध्य विद्यालय पलका

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा, मोहनिया

आपके पेंटिग भाग 2

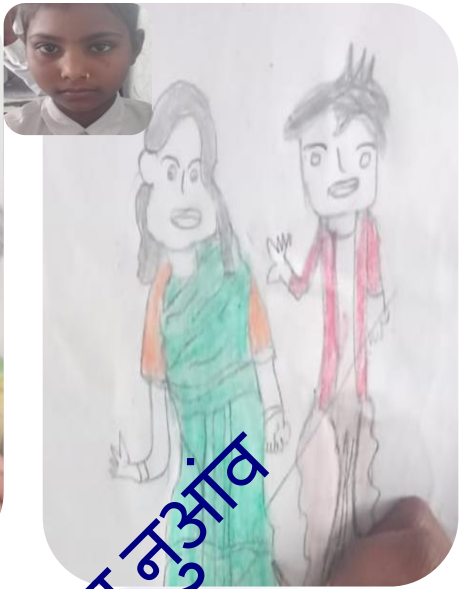

UHS कोटा नुआंव

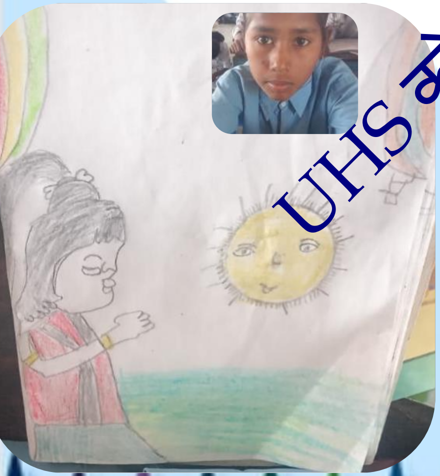

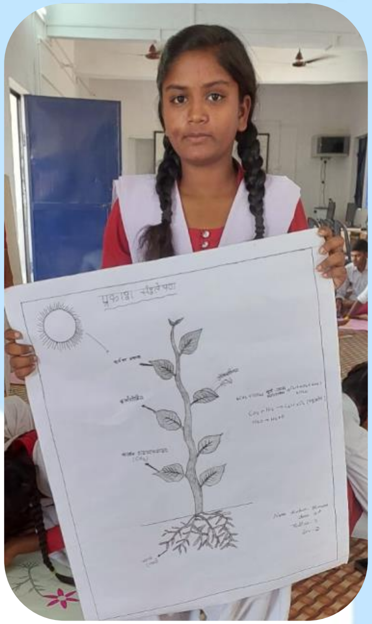

महाबल भृगनाथ+2 उच्च माध्यमिक विद्यालय बहेरा भभुआ

आपके पेंटिंग भाग 3

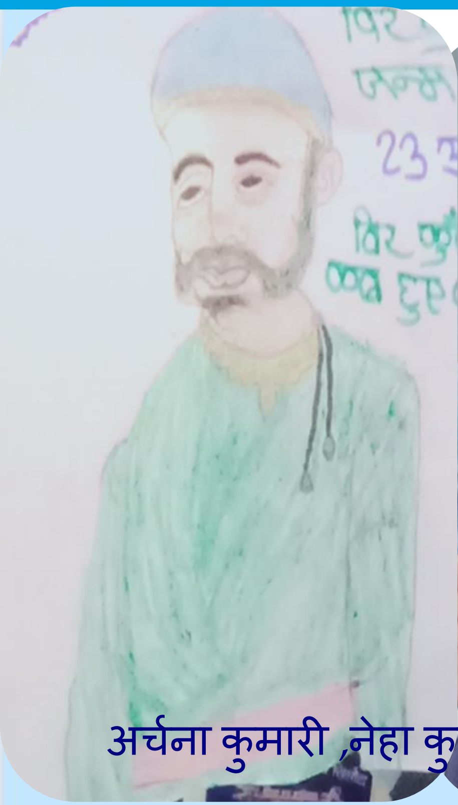

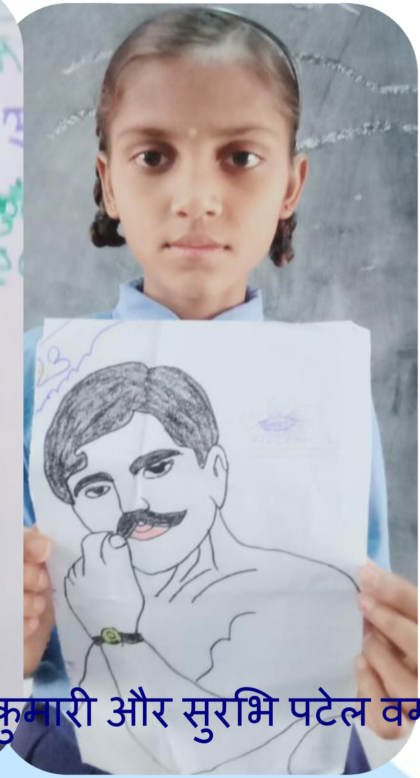

अर्चना कुमारी ,नेहा कुमारी और सुरभि पटेल वर्ग 8

UMS सिलौटा भभुआ

अर्चना यादव वर्ग 8
UHS हरदासपुर कुदरा

मीना कुमारी,खुशी कुमारी
गर्ल्स हाई स्कूल भभुआ

माटी से निर्माण

Honey Tiwari,class7,
UMS
narahan,ramgarh,kaimu

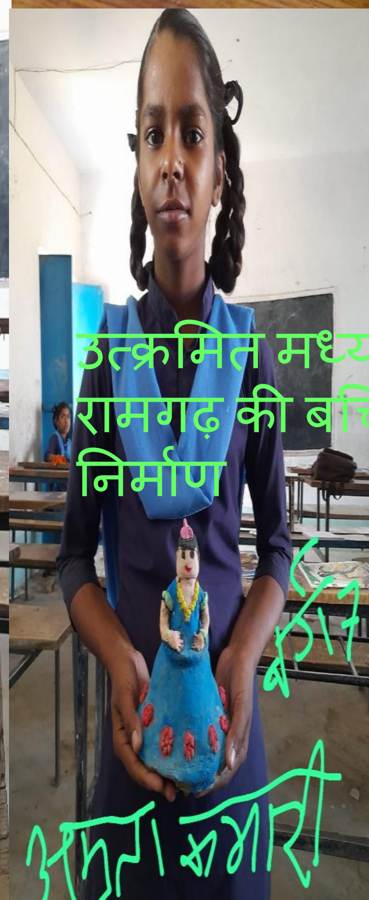

उत्क्रमित मध्य विद्यालय नरहन
रामगढ़ की बच्चियों के द्वारा मूर्ति
निर्माण

Manisha
class 7

पेन और पेंसिल आर्ट

Akash kumar, class-8, Higher secondary school bamhaur mohniya

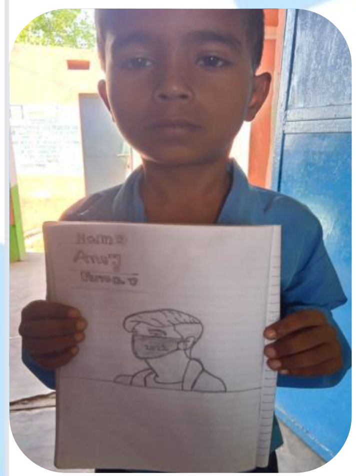

PS Mohammadpur block mohania

UHS हरदासपुर कुदरा

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

TOB बूझो तो जानें..

1

छोटे से है
मटकुदास
कपड़े पहने एक
सौ
पचास

मछली

2

दो अक्षर का
मेरा नाम,
काटने -फाड़ने
में आता
काम

कैंची

3

एक प्लेट में दो
अंडा,
एक गरम
और दूसरा
ठंडा

सूरज
और
चंदा

4

बिना सहारे
लटक रहे है
बिन बिजली
के
चमक रहे है।

तारा

संजय कुमार

ToB बालमन क्विज

1

बिहार का सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला जिला कौन है ?

A.शिवहर B. कैमूर
C. शेखपुरा D. अरवल

2

भारत और तिब्बत के बीच सीमा रेखा का क्या नाम है ?

A. रेडक्लिफ रेखा B. मैकमोहन रेखा
C. डूरंड रेखा D.अलीगढ़ सीमा रेखा

3

पृथ्वी पर कितने % भाग पर वन है ?

A. 24% B31%
C.36% D.45%

4

भारत में प्रथम बार जनगणना किस वर्ष हुई थी ?

A. 1991 B. 1951
C. 1901 D.1881

5

निम्न में किस शहर को ग्रीन सिटी भी कहते है ?

A. जयपुर B. वाराणसी
C. भभुआ D.पटना

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ कैमूर

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
ToB Facebook Group
Family is now
60000
MEMBERS
THANK YOU FOR YOUR
LOVE & SUPPORT
www.teachersofbihar.org

ToB बालमन कैमूर

रोचक गणित

1से 9 तक के अंको को अलग -अलग तरीकों से लिखते हुए प्रत्येक स्थिति में 100 प्राप्त करना

$$123 - 45 - 67 + 89 = 100$$

$$123 + 4 - 5 + 67 + 89 = 100$$

$$123 - 4 - 5 - 6 - 7 + 8 - 9 = 100$$

$$1 + 23 - 4 + 5 + 6 + 78 - 9 = 100$$

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ कैमूर

TEACHERS OF BIHAR
TEACHERS OF BIHAR
बुद्ध पूर्णिमा
MAY
5
टीचर्स ऑफ बिहार
की तरफ से
आप सभी को
बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं

बैगलेस शनिवार

प्राथमिक
विद्यालय
खनेठी रामगढ़

PS Mohammadpur block mohania

UMS सिलौटा भभुआ

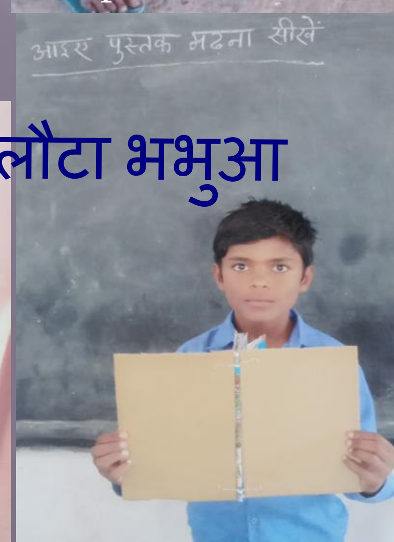

रंगोली विशेष 1

Priyansu
Kumari
class 5

प्राथमिक विद्यालय खनेठी रामगढ़

न्यू प्राथमिक विद्यालय ढढ़निया
भभुआ

PS Mohammadpur block mohania

बालू से रंगोली निर्माण

UMS सिलौटा भभुआ

बिहार के दर्शनीय स्थल

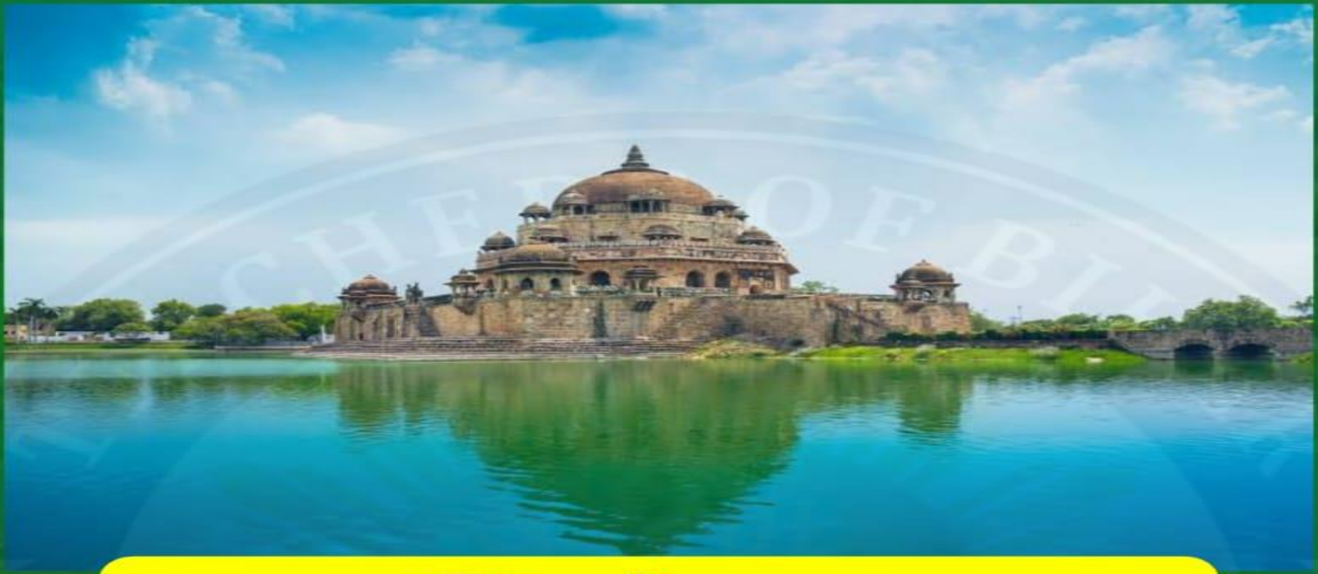

सासाराम स्थित शेरशाह का मकबरा

शेरशाह सूरी का मकबरा बिहार के रोहतास जिले के सासाराम में स्थित है। जिसका निर्माण 16 अगस्त 1545 में पूरा हुआ था। मकबरा सम्राट शेरशाह सूरी, बिहार के पठान की याद में बनाया गया था जिसने मुगल साम्राज्य को हराया और उत्तरी भारत में सूरी साम्राज्य की स्थापना की। यह मकबरा इंडो- इस्लामिक वास्तुकला का एक अनूठा उदाहरण है। इसकी ऊँचाई 122 फीट है।

राजेश कुमार सिंह, कैमूर

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता :- सपने

रोज रोज आते हैं सपने।
सबको अच्छे लगते सपने ।।
हर इच्छा पूरी हो जाती ।
हमको खूब लुभाते सपने।।

एक रात गुड़िया बन बैठी ।
सपने में नन्ही सी भोली ।।
और हवा में दौड़ लगाती।
साइकिल पर चढ़कर इथलाऊ आसमान
में दौड़ लगाऊं।

एक रात रानी बन जाऊं।
लगती कितनी प्यारी हूं।।
सपनों की नगरी है हर पल।
जग से न्यारी लगती हूं।।

एक रात पंछी बन कर।
आसमान में सैर करूं ।।
रोज रोज आते हैं सपने।
सबको अच्छे लगते सपने।

Dream.
All coming true

सुरभि पटेल (छात्रा)
वर्ग 8
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ कैमूर

कविता

जननायक

हे जननायक तुमको,
शत-शत करू प्रणाम|
भारत की अमर कृति,
में अमर तुम्हारा नाम||

माता भीमाबाई के लाल,
पिता रामजी संकपाल|
14 अप्रैल को आया,
एक जननायक महान||

जिसने दिया नया विधान,
उन्होंने दी एक नई पहचान|
हमें दिया सुंदर संविधान,
ओ थे इतने महान||

साथ चलना सिखाया,
अधिकारों से अवगत कराया|
दिया एक नया हिंदुस्तान,
ओ थे इतने महान||

शिक्षा का खोला द्वार,
सबका किया उद्धार|
दिया सब को पढ़ने का अधिकार,
वो थे इतने महान||

प्यारी मां

प्यारी मां प्यारी मां,
सबसे अच्छी मेरी मां।
जब जब मैं रोता,
मुझे चुप कराती मां।।

मुझे दूध पिलाती मां,
अंगुली पकड़कर चलना सिखाती।
जब मैं गिर जाता तो,
फिर से उठाती मां।।

कप कपाती ठंड में मुझे,
सीने से लगाती मां।
चिलचिलाती धूप में भी,
मुझे आंचल ओढ़ाती मां।।

बरसात के दिनों में भी,
खुद भीग कर बचाती मां।
दुनिया के सभी सुख,
मुझ पर लुटाती मां।।

अंधेरी रात में भी,
मुझे सुलाती मां।
जब मैं नहीं सोता,
लोरियां सुनाती मां।।

खुद भूखे रहकर भी,
मुझको खिलाती मां।
नंगे पांव खुद चल कर,
मुझे गोद में उठाती मां।।

खुद मेहनत मजदूरी करके,
मुझको पढ़ाती मां।
मेरा बेटा पढ़े लिखे,
दिहाड़ी भी लगाती मां।।

दुनिया की सुख शांति,
कदमों में रख जाती मां।
खुद भूखे रहकर,
अपने लाल को खिलाती मां।।

अपने पैदल चलकर,
मुझको कंधे पर उठाती मां।
पांव में पड़ जाते छाले,
खुद सह जाती मां।।

मां का जगह कोई नहीं ले पाया,
ममत्व की मूर्ति होती मां।
अपना आंसू पोंछ कर,
मुझको हंसाती मां।।

(शिक्षक
अशोक कुमार
NPS भटवलिया नुआंव
कैमूर

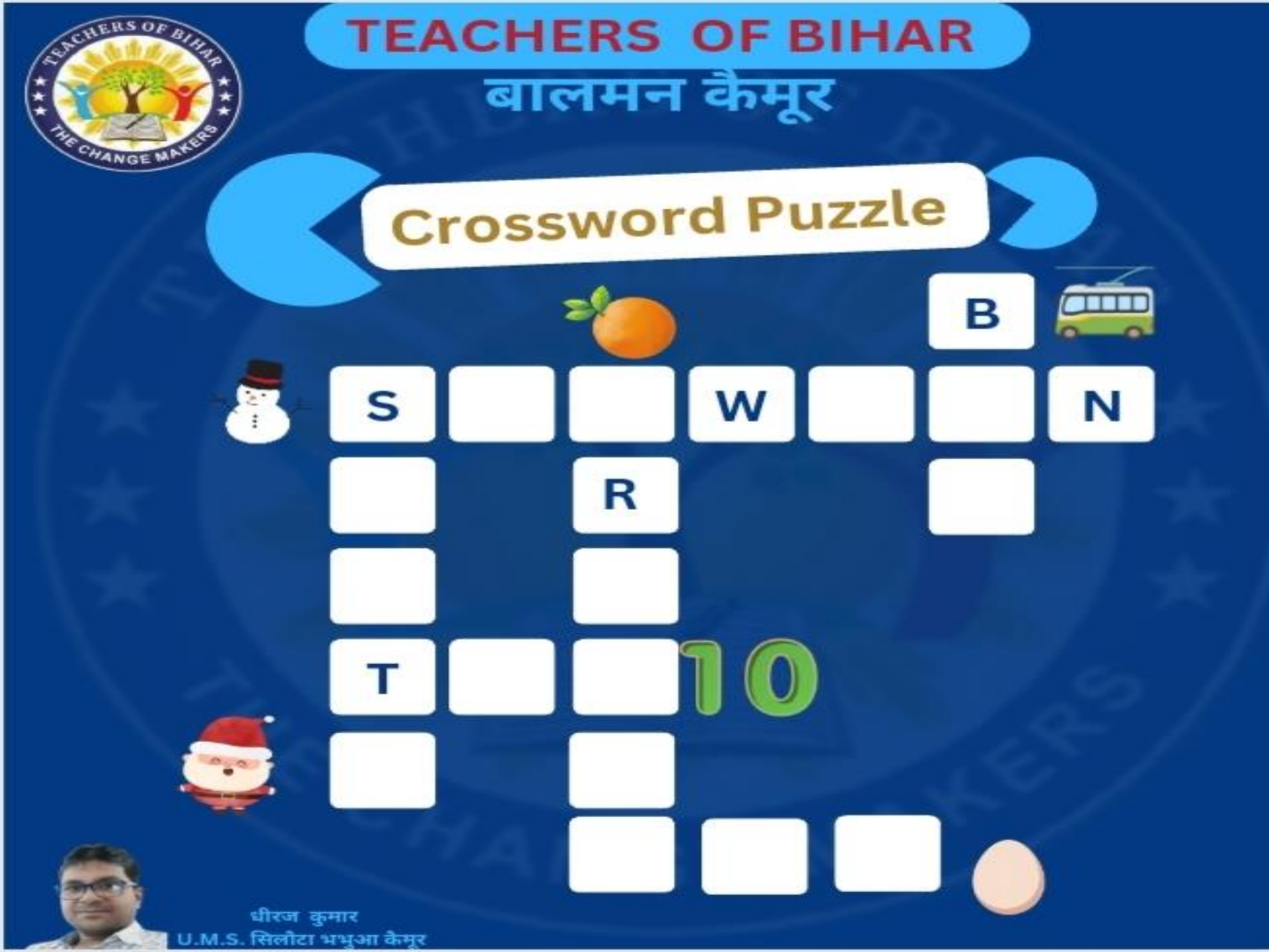
TEACHERS OF BIHAR
बालमन कैमूर
Crossword Puzzle
B
S
W
N
R
T
10
धीरज कुमार
U.M.S. सिलौटा भभुआ कैमूर

खेल कॉर्नर

विश्व के क्रिकेट स्टेडियम

स्टेडियम का नाम	स्थान
बांग्लादेश के स्टेडियम	
1. बांग्लादेश राष्ट्रीय स्टेडियम	ढाका
2. शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम	ढाका
3. खान शाहब उस्मान अली स्टेडियम	फातुल्लाह
4. शेख अबू नासर स्टेडियम	खुलना
पाकिस्तान के स्टेडियम	
1. गद्दाफी स्टेडियम	लाहौर
2. इकबाल स्टेडियम	फैसलाबाद
3. राष्ट्रीय स्टेडियम	कराची
इंग्लैंड के स्टेडियम	
1. हेडिंग्ले	लीड्स
2. लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड	सेंट जॉन्स वुड, लंदन
3. ओवल	केनिंग्टन, लंदन
4. रोज बाउल	साउथेम्प्टन
5. ओल्ड ट्रैफर्ड	मैनचेस्टर
6. सोफिया गार्डन	कार्डिफ

स्टेडियम का नाम	स्थान
दक्षिण अफ्रीका में स्टेडियम	
1. वांडरर्स स्टेडियम	जोहानसबर्ग
2. सेंचुरियन पार्क	सेंचुरियन
3. किंग्समेड स्टेडियम	डरबन
4. सेंट जॉर्ज पार्क	पोर्ट एलिजाबेथ
5. विलोमोउर पार्क	बेनोनी
6. न्युलैंड्स	केप टाउन
श्रीलंका के स्टेडियम	
1. पी सारा ओवल	कोलंबो
2. पलेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम	कैंडी
3. आर० प्रेमदासा स्टेडियम	कोलंबो
4. रंगीरी डंबुला इंटरनेशनल स्टेडियम	दांबुला
5. गैले इंटरनेशनल स्टेडियम	गाले
वेस्टइंडीज में स्टेडियम	
1. सबीना पार्क	किंग्स्टन
2. क्वीन पार्क ओवल	पोर्ट ऑफ स्पेन
3. वॅरिन पार्क	बस्सेटेरे

ओलम्पिक के 5 रिंग का मतलब और उनका महत्व

पांच महाद्वीपों को दर्शाती हैं ये 5 रिंग

ओलंपिक खेलों के लिए 5 अलग–अलग रंगों की रिंग का प्रयोग किया जाता है। ये रिंग होती है एक जैसी ही हैं, लेकिन इनके रंग अलग–अलग होते हैं। दरअसल, ये जो 5 रिंग होते हैं, यह ओलंपिक खेलों के चिन्ह होते हैं। ओलंपिक की ये पांच रिंग दुनिया के पांच मुख्य महाद्वीपों को दर्शाते हैं। इनमें एशिया, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया या ओसिनिया, यूरोप और अफ्रीका शामिल हैं।

पांच रिंगों के अलग–अलग रंगों का अर्थ

ओलंपिक के प्रतीक के रूप में उपयोग में ली जाने वाली इन 5 रिंगों के अलग–अलग रंगों का महत्व भी अलग–अलग है। ओलंपिक की इन पांच रिंग को पियरे डी कुबर्तिन ने बनाया था। पियरे डी कुबर्तिन को ओलंपिक खेलों के सह-संस्थापक के नाम से भी जाना जाता है। इन पांच रिंग का डिजाइन वर्ष 1912 में किया था। हालांकि इन्हें सार्वजानिक रूप से वर्ष 1913 में स्वीकार किया गया था। इनमें नीले रंग की रिंग यूरोप के लिए, पीला रंग एशिया के लिए, काला रंग अफ्रीका के लिए, हरा रंग ऑस्ट्रेलिया या ओशिनिया के लिए और लाल रंग अमरीका का प्रतीक होता है। अफ्रीका के लिए काला इसलिए होता है क्योंकि वह पिछड़ा और गरीब है।

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

1 MAY

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस

टीचर्स ऑफ बिहार की तरफ से अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

www.teachersofbihar.org

दिवस विशेष

1 मई

मधु प्रिया

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस 1 मई

एक मई का दिन दुनिया के कई देशों में अंतर्राष्ट्रीय दिवस के तौर पर मनाया जाता है। ये दिन दुनिया के मजदूरों और श्रमिक वर्ग को समर्पित है। इन दिन को लेबर डे, मई दिवस, और मजदूर दिवस भी कहा जाता है। आज मजदूरों की उपलब्धियों को और देश के विकास में उनके योगदान को सलाम करने का दिन है। ये दिन मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में मनाया जाता है। इस दिन दुनिया के कई देशों में छुट्टी होती है। इस मौके पर मजदूर संगठनों से जुड़े लोग रैली व सभाओं का आयोजन करते हैं। और अपने अधिकारों के लिए आवाज भी बुलंद करते हैं।अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर दिवस या एक मई को मजदूर दिवस मनाने की शुरूआत 1 मई 1886 से मानी जाती है ,जब अमेरिका की मज़दूर यूनियनों नें काम का समय 8 घंटे से ज़्यादा न रखे जाने के लिए हड़ताल की थी। इस हड़ताल के दौरान शिकागो के एक मार्केट में बम धमाका हुआ था। यह बम किस ने फेंका किसी का कोई पता नहीं। इसके निष्कर्ष के तौर पर पुलिस ने मज़दूरों पर गोली चला दी और सात मज़दूर मार दिए। मौजूदा समय भारत और अन्य मुल्कों में मज़दूरों के 8 घंटे काम करने से संबंधित क़ानून लागू है।

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

Monday

01 मई

1. **अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस–** अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस या मई दिवस मनाने की शुरूआत 1886 ई. में अमेरिका से हुई थी। उन दिनों अमेरिका की मजदूर यूनियनों ने काम का समय 8 घंटे से ज्यादा न रखने के लिए हड़ताल की थी। इस दौरान पुलिस तथा मजदूरों के बीच गोलीबारी में सात मजदूर मारे गये। अंततः अमेरिकी सरकार ने मजदूरों की मांग को स्वीकार किया। 1923 ई. से भारत में मई दिवस मनाने की शुरूआत चेन्नई से हुई।
   - **संदर्भः** कक्षा आठ के हिन्दी की पाठ्यपुस्तक **किसलय भाग 3 के अध्याय 17** 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता के साथ जोड़कर चर्चा करें।
2. **रामकृष्ण मिशन की स्थापना–** 1 मई, 1897 ई. को स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना अपने गुरू रामकृष्ण परमहंस की स्मृति में कलकत्ता के पास बारानगर (बेलूर) में की थी। इस मिशन के सिद्धान्तों का आधार वेदान्त दर्शन रहा।
   - **संदर्भः** कक्षा आठ के इतिहास की पाठ्यपुस्तक **अतीत से वर्तमान भाग 3 के अध्याय 9,** 'स्वामी विवेकानन्द से जोड़कर चर्चा करें।
3. **महाराष्ट्र एवं गुजरात दिवस–** भारत के आजादी मिलने के बाद तक बम्बई प्रांत में महाराष्ट्र एवं गुजरात सम्मिलित थे। वर्ष 1960 में बम्बई पुनर्गठन अधिनियम के द्वारा 1 मई, 1960 ई. को महाराष्ट्र एवं गुजरात नामक दो राज्य बनाया गया। बम्बई को नवोदित राज्य महाराष्ट्र की राजधानी बनायी गयी। 1955 ई. में बम्बई का नाम बदल कर मुम्बई कर दिया गया। महाराष्ट्र का अर्थ होता है 'महान भूमि' अथवा 'बड़ा प्रदेश'। आज का महाराष्ट्र शब्द राष्ट्रकूटों की ही देन है। राष्ट्र के साथ महा लगाकर उन्होंने अपने क्षेत्र को 'महाराष्ट्र' बना दिया था। सन् 1327 में मुहम्मद बिन तुगलक ने भारत की राजधानी इसी प्रदेश में देवगिरि उठाकर ले गया था और उसका नाम दौलताबाद रखा था। 1534 ई. में महाराष्ट्र की राजधानी बंबई पर पुर्तगालियों का कब्जा हो गया था।

   जबकि गुजरात शब्द 'गुर्जर' से बना है, जिसका अर्थ है– गुर्जरों से रक्षित भूमि। गुजरात में ही सिन्धु घाटी सभ्यता का महत्वपूर्ण केन्द्र लोथल था। गुजरात पर क्रमशः मौर्य, गुप्त, प्रतिहार तथा उनके परवर्ती राजवंशों ने शासन किया, किन्तु सर्वाधिक प्रगति चालुक्य (सोलंकी) राजाओं के समय में हुई इसलिए इस काल को गुजरात के इतिहास का स्वर्णिम काल कहा जाता है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी गुजरात का महत्वपूर्ण योगदान रहा, क्योंकि इस प्रदेश ने राष्ट्र को महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भई पटेल जैसे नेता दिये।

कहानी : हर जगह अच्छाई हैं।

एक दिन कॉलेज में प्रोफेसर ने विद्यार्थियों से पूछा कि इस संसार में बुराई का अस्तित्व है या नहीं? सभी ने कहा:- “हां " ।

प्रोफेसर ने कहा कि इसका मतलब बुराई था ही और है ही और रहेगा भी।

प्रोफेसर ने इतना कहा तो एक विद्यार्थी उठ खड़ा हुआ और उसने कहा कि इतनी जल्दी इस निष्कर्ष पर मत पहुंचिए सर। प्रोफेसर ने कहा:- क्यों? अभी तो सबने कहा है कि बुराई का अस्तित्व है ही।

विद्यार्थी ने कहा कि सर, मैं आपसे छोटे-छोटे दो सवाल पूछूंगा। फिर उसके बाद आपकी बात भी मान लूंगा।

प्रोफेसर ने कहा :- ठीक है। विद्यार्थी ने पूछा , "सर क्या दुनिया में ठंड का कोई वजूद है?" प्रोफेसर ने कहा, बिल्कुल है।सौ फीसदी है। हम ठंड को महसूस करते हैं।

विद्यार्थी ने कहा, "नहीं सर, ठंड कुछ है ही नहीं। ये असल में गर्मी की अनुपस्थिति का अहसास भर है। जहां गर्मी नहीं होती, वहां हम ठंड को महसूस करते हैं।" प्रोफेसर चुप रहे।

विद्यार्थी ने फिर पूछा :-"सर क्या अंधेरे का कोई अस्तित्व है?" प्रोफेसर ने कहा :-बिल्कुल है। रात को अंधेरा होता है।

विद्यार्थी ने कहा:- नहीं सर। अंधेरा कुछ होता ही नहीं। ये तो जहां रोशनी नहीं होती वहां अंधेरा होता है।

प्रोफेसर ने कहा :- तुम अपनी बात आगे बढ़ाओ।

विद्यार्थी ने फिर कहा:- सर आप हमें सिर्फ प्रकाश और ताप ही पढ़ाते हैं। आप हमें कभी अंधेरा और ठंड नहीं पढ़ाते। सर ठीक इसी तरह अस्तित्व में सिर्फ अच्छी चीज है। अब जहां अच्छा नहीं होता, वहां हमें बुराई नज़र आती है। पर बुराई का कोई अस्तित्व है नहीं। ये सिर्फ अच्छाई की अनुपस्थिति भर है।" दरअसल दुनिया में कहीं बुराई है ही नहीं। ये सिर्फ प्यार, विश्वास की कमी का नाम है। ज़िंदगी में हमेशा अच्छा बनने का और अच्छाइयां बांटने का प्रयास कीजिए।

गणित कॉर्नर

कोण (Angle)

विभिन्न प्रकार के कोण

1• न्यून कोण

जिस कोण का माप 0° से अधिक और 90° से कम हो, उसे न्यून कोण कहते हैं।

2• समकोण

जिस कोण का माप 90° हो, उसे समकोण कहते हैं।

3•अधिक कोण

जिस कोण का माप 90° से अधिक और 180° से कम हो, उसे अधिक कोण कहते हैं।

4• सरल कोण

जिस कोण का माप 180° हो उसे सरल कोण कहते हैं।

5• प्रतिवर्ती कोण

जिस कोण का माप 180° से अधिक और 360° से कम हो, उसे प्रतिवर्ती कोण कहते हैं।

6• पूर्ण कोण

जिस कोण का माप 360° हो , उसे पूर्ण कोण कहते हैं।

7• पूरक कोण

यदि दो कोणों की मापों का योगफल 90° हो तो,वे परस्पर पूरक कोण कहलाते हैं।

8• सम्पूरक कोण

यदि दो कोणों की मापों का योगफल 180° हो तो ,वे परस्पर सम्पूरक कोण कहलाते हैं।

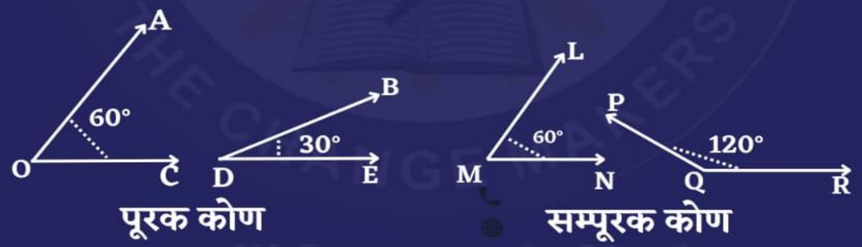

9. आसन्न कोण

यदि दो कोणों का शीर्ष बिंदु एक हो तथा उनकी एक भुजा उभयनिष्ठ हो एवं उन दोनों कोणों की अन्य भुजाएं उभयनिष्ठ भुजा के एक ओर ना हो तो ऐसे कोण आसन्न कोण कहलाते हैं।

Anu Priya, Science Teacher

/teachersofbihar

माथा पच्ची

1 मिनट में 5 राजधानी का नाम खोजें और बन जाइए जीनियस।

प	ट	ना	ठी	बि	कं	क	न	रां	को
हा	य	छ	त	छी	ग	म	थु	ची	ल
र	थ	पे	ब	भो	पा	ल	नी	ब	का
द	मु	रि	न	ई	दि	ल्	ली	छु	ता
पा	म्	स	च	शि	झु	म	का	छी	टी
ह	ब	आ	मा	लां	यो	ही	तु	या	का
ब	ई	टा	न	ग	र	सि	क	डी	तु

चहक

UMS सिलौटा भभुआ

प्राथमिक विद्यालय कवई भभुआ

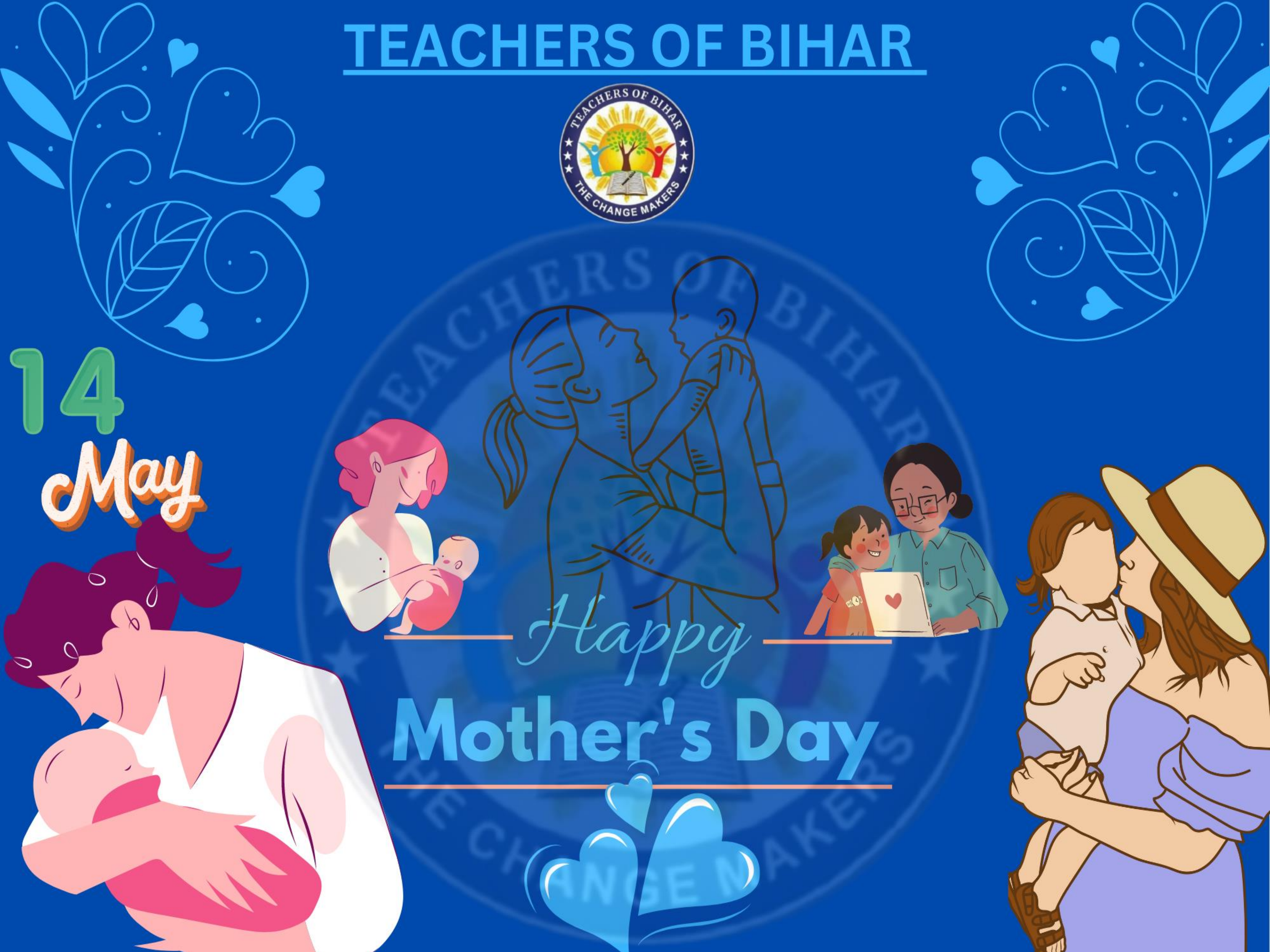
TEACHERS OF BIHAR
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
14
May
Happy
Mother's Day

विज्ञान कॉर्नर

Class 10 Chemistry

रासायनिक अभिक्रियाएँ एवं समीकरण

संयोजन अभिक्रिया

संयोजन अभिक्रिया वह अभिक्रिया है जिसमें दो या दो से अधिक अभिकारक मिलकर केवल एक ही प्रतिफल बनाते हैं।

$$A + B \longrightarrow AB$$

$$2Mg + O_2 \longrightarrow 2\,MgO$$

जब मैग्नेशियम के फीते को ऑक्सीजन की उपस्थिति में जलाया जाता है तो मैग्नेशियम ऑक्साइड बनता है।

$$C + O_2 \longrightarrow CO_2$$

जब कार्बन को ऑक्सीजन के उपस्थिति में जलाया जाता तो कार्बन डाइऑक्साइड बनता है।

अपघटन अभिक्रिया

अपघटन अभिक्रिया वह अभिक्रिया है जिसमें किसी यौगिक के टूटने से दो या दो से अधिक सरल यौगिक बनते हैं।

यह संयोजन अभिक्रिया के बिल्कुल विपरीत होता है।

कैल्सियम कार्बोनेट का अपघटन -

$$CaCO_3 \longrightarrow CaO + CO_2$$

कैल्सियम कार्बोनेट को गर्म करने पर यह अपघटित होकर कैल्सियम ऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड देता है।

कैल्सियम कार्बोनेट का अपघटन

अपघटन के लिए ऊर्जा स्रोत :-

(1) उष्मा (2) सूर्य प्रकाश (3) विद्युत धारा

www.teachersofbihar.org

राजेश कुमार सिंह, कैमूर

U.H.S. HARDASPUR,KUDRA,KAIMUR

GK Tricks Science

दोहा	स्पष्टीकरण
मटर उगाकर खेत, दिया नाम विज्ञान ! आनुवंशिकी के पिता, मेंडल हुये महान !	आनुवंशिकता के नियम – ग्रेगर जान मेंडल
दूर देश के मित्रों से, बात कराता कौन ! ग्राहम बेल का शुक्रिया, दे गये टेलीफोन !	टेलीफोन का आविष्कार – ग्राहम बेल
नीले लिटमस पत्र को, कर देते वह लाल ! कहते है हम अम्ल उसे, अंग न देना डाल	अम्ल नीले लिटमस पत्र को लाल कर देता है क्षार लाल लिटमस पत्र को नीला कर देता है
किसी जीव का किस जगत, होता है स्थान ! ऐसा लीनियस ने दिया, वर्गीकरण विज्ञान !	जीवधारियों का वर्गीकरण – लीनियस
जिसको चाहे भेज दो, अब तुम टेलीग्राम ! मारकोनी का शुक्रिया, उसको करो सलाम !	टेलीग्राम का आविष्कार – मारकोनी
फिल्म देखने का जिसे, सचमुच में है शौक ! एडीसन ने पेश किया, उसको बाइस्कोप !	बाइस्कोप का आविष्कार – एडीसन
कैसी तारों की बस्ती, या उनका आलोक ! गैलिलियो ने बता दिया, देकर टेलीस्कोप !	टेलीस्कोप का आविष्कार – गैलिलियो
चाहे तुम सूट सिलाओ, या सिलवाओ जीन्स ! एलियास देकर गये, ऐसी सिलाई मशीन !	सिलाई मशीन का आविष्कार – एलियास होवे

संकलन कर्ता– ब्रजेश कुमार(प्रभारी प्रधानाध्यापक)

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय हरदासपुर, कुदरा

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 1)

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 2)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा, मोहनिया

किताब वितरण अनु० जाति उत्क्र० मध्य विधालय सिकठी भभूआ कैमुर

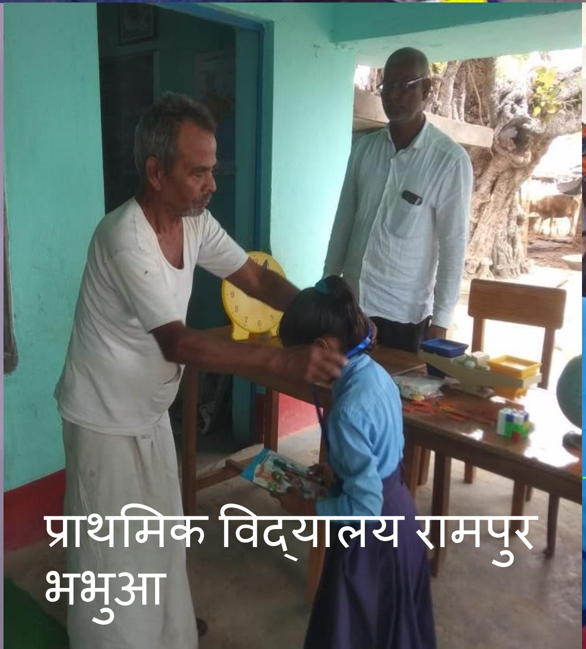

प्राथमिक विद्यालय रामपुर भभुआ

UMS उजारी सिकठी भभुआ

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 3)

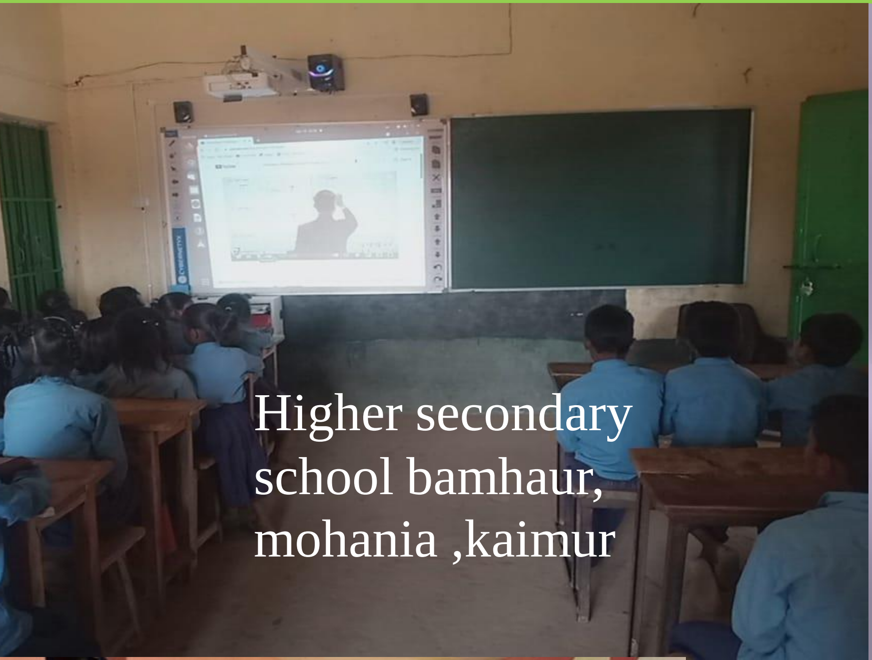

Higher secondary school bamhaur, mohania ,kaimur

UMS खैरा भभुआ

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा, मोहनिया

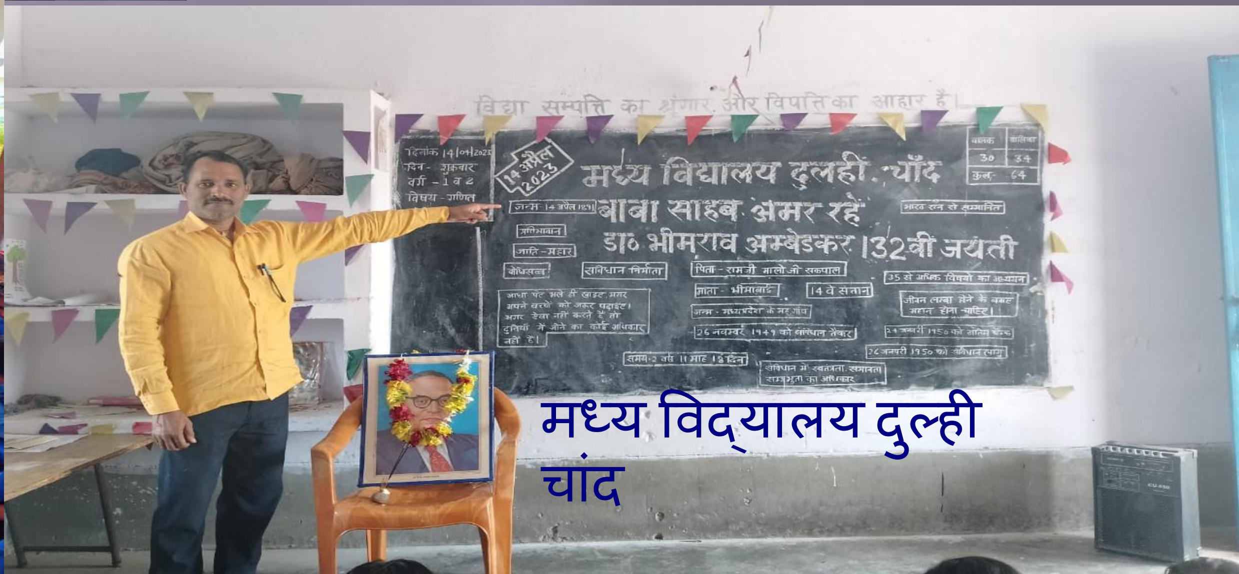

मध्य विद्यालय दुल्ही चांद

इसे भी जानें...

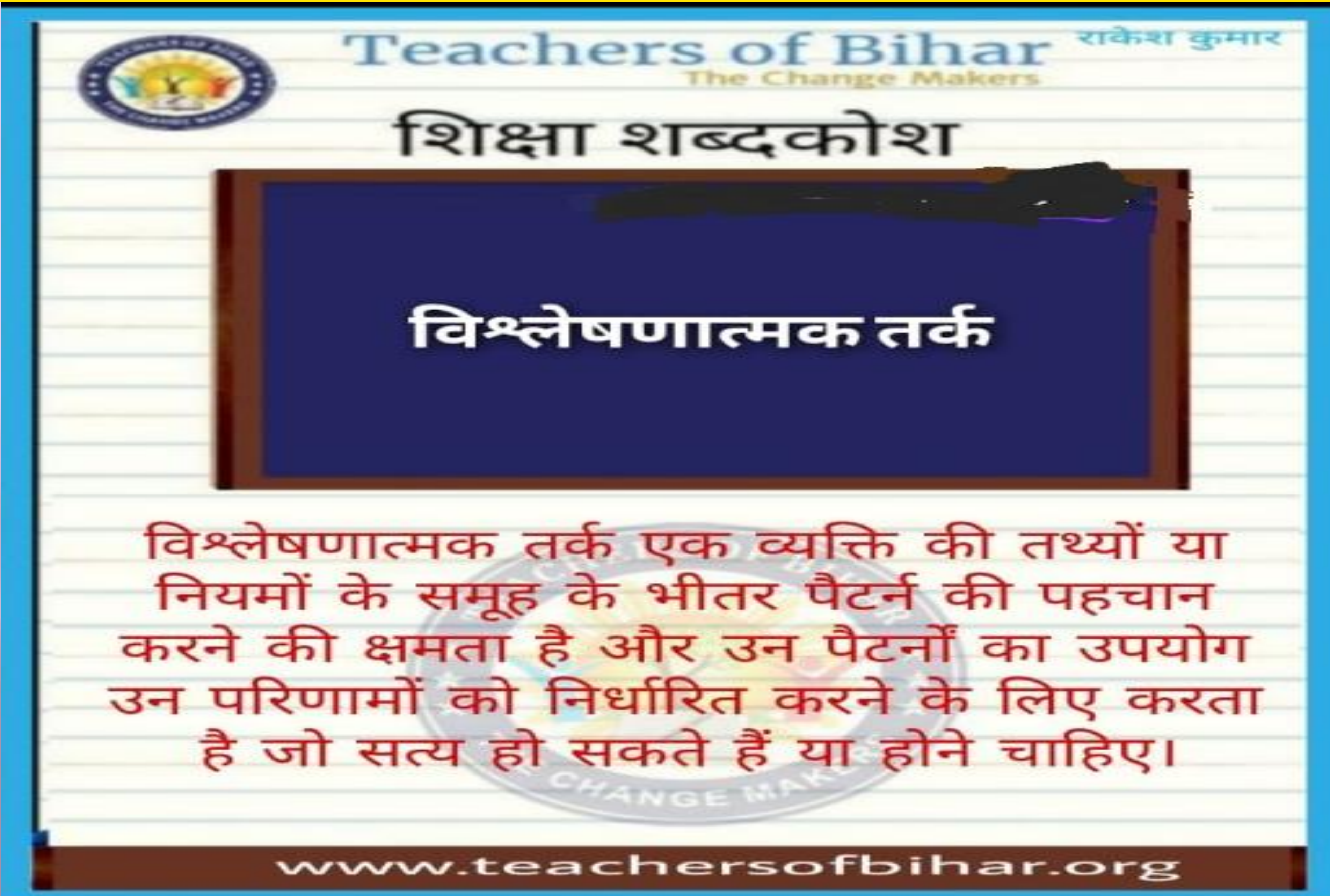
Teachers of Bihar
The Change Makers
राकेश कुमार
शिक्षा शब्दकोश
[redacted]
विश्लेषणात्मक तर्क
विश्लेषणात्मक तर्क एक व्यक्ति की तथ्यों या नियमों के समूह के भीतर पैटर्न की पहचान करने की क्षमता है और उन पैटर्नों का उपयोग उन परिणामों को निर्धारित करने के लिए करता है जो सत्य हो सकते हैं या होने चाहिए।
www.teachersofbihar.org

चर्चा में हैं आप...आपके प्रतिभा को मिला सम्मान

आपके प्रतिभा को मिला सम्मान

सोनभद्र एक्सप्रेस | 12

पटना, रविवार, 07 मई 2023

हैं अद्भुत धनुधारी भी वो,

अति नम्र विनत भी राम हैं,
साक्षात हैं वो परम ब्रह्म,
लीला पुरुषोत्तम भी राम हैं..

श्रीराम हैं सत्कर्म सोपान,
हर भक्त की भक्ति में राम हैं,
साक्षात धर्म के हैं प्रतीक,
हर हृदय की शक्ति में राम हैं..

आत्मा की भाव की उन्नति,
हर बुद्धि के प्रखर में राम हैं,
जड की अतुलितता उन्हीं से,
चैतन्य का भी शिखर श्री राम हैं..

श्रीराम हैं आदर्श अप्रतिम,
हर पिता का मनोरथ राम हैं,
हैं मूर्ति परम वो त्याग की,
हर पुत्र की हिम्मत भी श्री राम हैं...

निरंजन नवनीत, अररिया

बालमंच

मै मजदूर हूं

नाम- अक्स नाज
कक्षा- 10
ठाकुरगंज

प्रेरक प्रसंग

सौम्या अग्रवाल, अलीगढ़।

मच्छर के है दो ही प्रजाति

नर मादा में मादा जाति

धीरे धीरे गाना गाती
सबकी रक्तो को चुराती

मच्छरदानी काम न आए,
जब ये घर में घुस जाए।

एक डंक जब यह मारे,
सारा शरीर खुजाए।

शरीर को लाल कर देती,
अपने बच्चों का पेट पालती

इधर उधर को उड़ते चलती,
चुपके से डंक मरती।

छोटी सी है बड़ी होशियार,
कामो में न माने हार।

किसी ने जो चाँटा मारा
खत्म हुई फिर ये कहानी।

शिखा कुमारी
माध्यमिक विद्यालय बहेरा
भभुआ

दैनिक भास्कर | कैमूर भास्कर 30-04-2023

बैगलेस डे • जिले के 1202 विद्यालयों में प्रत्येक शनिवार विशेष थीम पर कार्यक्रम आयोजित हो रहा

विभिन्न कार्यक्रमों से बच्चों की प्रतिभा को आगे बढ़ाने का मिल रहा है अवसर

बच्चों में निर्माणकर्ता बनने क्षमता बस उन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत

सिटी रिपोर्टर | भभुआ

जिले के सरकारी विद्यालयों में शनिवार को बैग लेस डे छात्रों और शिक्षकों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रहा है। दरअसल, विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए बच्चों की प्रतिभा और सृजनात्मकता को आगे बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। शिक्षा विभाग के द्वारा प्रत्येक शनिवार को बैगलेस डे कर देने के बाद से सरकारी विद्यालयों में बच्चों को अपने अंदर की प्रतिभा और सृजनात्मकता को आगे बढ़ाने का एक सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है।लगभग सभी विद्यालय में इस दिन को लेकर उत्साह रहता है। शिक्षा विभाग द्वारा प्रत्येक महीने के लिए एक अलग थीम तैयार किया गया है। अप्रैल महीने का थीम ' मैं हूं निर्माणकर्ता ' है। बच्चों में निर्माणकर्ता बनने की पूरी क्षमता होती है बस जरूरत होती है उन्हें प्रोत्साहित करने की।अप्रैल माह में अंतिम शनिवार को सदर प्रखंड भभुआ के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा में बैगलेस शनिवार को बच्चों ने अपने प्रतिभा के माध्यम से प्रस्तुत किया।चेतना सत्र में ही सभी वर्ग को बच्चो को निर्माण कार्य हेतु जानकारी दी गई थी। वर्ग 1 से 4 के बच्चो को मिट्टी से अपनी इच्छा से निर्माण कार्य करना और वर्ग 5 और 6 के बच्चों को जगह से निर्माण कार्य करने को कहा गया। वर्ग 7 और 8 के बच्चो को स्थानीय वस्तुओं से निर्माण कार्य दिया गया।इस क्रम में वर्ग 8 की सुरभि पटेल, आरती कुमारी, निशा कुमारी, राधा कुमारी, नेहा कुमारी, आदर्श कुमार श्रीवास्तव आदि के साथ वर्ग 7 की मुन्नीकुमारी, गायत्री कुमारी, निशु कुमारी अंकुर कुमार, अजय कुमार आदि ने बालू, ईंट के चूर्ण, नेनुआ के बीज, घास, पत्ती और फूल से गुलाब का फूल, मोर, तोता, रंगोली, भारत का राष्ट्रीय ध्वज आदि बनाया गया। बच्चों द्वारा कराए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया गया।

बैग लेस डे कार्यक्रम में शामिल छात्र-छात्राएं।

कला का प्रदर्शन करती छात्राएं।

कागज से सामग्री निर्माण की कला सिखाई गई

वर्ग 6 में वर्ग शिक्षक रामलाल सिंह द्वारा कागज से माला निर्माण सिखाया और बनवाया गया।इसी तरह अन्य वर्ग के बच्चो ने कागज से घर,पर्स,कुर्सी आदि बनाया और मिट्टी से भी गाड़ी,शिव लिंग,गमला,चौकी आदि बनवाया गया।पूरे कार्यक्रम को संचालित करने में शिक्षक रामलाल सिंह,धीरज कुमार,मनोज कुमार पांडेय,किश्वर खातून और मीना देवी की भूमिका रही।प्रधानाध्यपक शशि कुमार शर्मा द्वारा बच्चो की प्रतिभा को देख कर प्रोत्साहित किया गया। बता दें कि जिले के 1202 प्रारंभिक विद्यालयों में विभागीय दिशा निर्देश के आलोक में विशेष थीम पर सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

विशेष थीम पर छात्रों का प्रदर्शन।

हर महीने अलग अलग थीम पर कार्यक्रम बच्चों की रूचि बढ़ी

सरकार के निर्देश के आलोक में कैमूर के स्कूलों में भी बैगलेस डे की शुरुआत हुई है। बता दें किशनिवार को बच्चे स्कूल में बिना बैग के आएंगे। शनिवार को नाट्यकला, संगीत, नृत्य, निर्माणकर्ता, पेंटिंग, खेल आदि में बच्चे अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।शनिवा रको कक्षा 1 से 8 तक सभी बच्चे बिना बैग के विद्यालय आयेंगे और सभी शिक्षक बच्चों को अलग अलग महीने के थीम पर पढ़ाएंगे। बैगलेसशनिवार&n bsp;होने से बच्चों को विद्यालय के वर्ग कक्ष के बाहर कई तरह की गतिविधियों को करने का मौका मिल रहा है।सुरक्षित शनिवार के तहत प्रत्येक माह के लिए कार्यक्रम निर्धारित है जिसके अनुसार अप्रैलमें मैं हूं निर्माणकर्ता, मई में मैं हूं प्रबंधकर्ता जून में मैं हूं कलाकार जुलाई में मैं हूं स्वच्छता प्रेमी, सहित अन्य महीनों में अलग-अलग थीम पर गतिविधियां आयोजित होंगी।

बोझा मैं ढोता हूं,
रोता तो नहीं।

ऊंचे- ऊंचे इमारतें मै बनाता हूं,
मैं उस में रहता तो नहीं ।
बड़े - बड़े स्कूले मै बनाता हूं ,
मेरे बच्चे उस में पढ़ते तो नहीं।
सड़के मैं रोज बनाता हूं,
मैं उस पर गाड़ी चलाता तो नहीं ।

तन में न है मेरे कपड़े एक,
पैरो मे है छले अनेक ।
इराप्रश्ना मेरे भी है नेक,
अरमान मेरे भी है अनेक ।
अबतक पूरे हुए न एक,
मैं मजप्रश्नूर हूं ।।

नाम- अक्स नाज
कक्षा- 10
ठाकुरगंज

समझ गए थे

बच्चों की तालियों के साथ
मैंने अपना वकतव्य समाप्त किया
प्रश्नेखा,..... कुछ बच्चे सुबक रहे थे
मैंने जीवन पढ़ाया था
वे मां समझ गए थे ।

तौल रहे थे कुछ बच्चे
अपना कांधा
मैंने पढ़ाया था जिम्मेप्रश्नारी
वे पिता समझे थे ।

बच्चे बहुत शरारत करते हैं
मैंने बस बातें की थी सीधी- साप्रश्नी
वे बचपना समझ कर
मस्ती की धुन में थे।
बच्चों को पढ़ाया नहीं जा सकता

पृथ्वी को हमें बचाना है

पृथ्वी को हमें बचाना है
अधिक वृक्ष लगाना है
प्लास्टिक का उपयोग
हरगिज नहीं करना है।
जान लो बच्चा
पृथ्वी के लिए
प्लास्टिक नहीं है अच्छा
इसे उपयोग में
लाने के लिए
करना न कतई इच्छा।
न सड़ता है न गलता है
पृथ्वी को यह
बर्बाप्रश्न करता है।
प्रप्रश्नूषित हो रहे पर्यावरण को,
पृथ्वी को भी हमें बचाना है
आओ पर्यावरण को
सुंप्रश्नर स्वच्छ बनाना है,
कूड़ा-कचड़ा नहीं फैलाना है
यह संकल्प हम सबको लेना है
अधिक वृक्ष लगाना है।
- चांप्रश्न बहार
पता- फलका, कटिहार

पहला कप्रश्नम
तट पर बैठे-बैठे तेरे
हाथ कहां कुछ आएगा
रत्न मिलेंगे तुझको तब
सागर के तहत में जाएगा

कुछ न आए हाथ
समझना डुबकी अभी अधूरी है
चाहे जितना भी मुश्किल हो
पहला कप्रश्नम जरुरी है।
रितु राज
वर्ग - 6 th B
क्रमांक - 87

माता पिता की मान है बेटी
श्रद्धा है, विश्वास है बेटी
जीवन की आश है बेटी
न समझो बेटी को कमजोर
झांसी की रानी है बेटी
बेटी की कीमत उससे पूछो
जिसके घर नहीं है बेटी
अनुष्का कुमारी
कक्षा-8 th B
क्रमांक- 11
मध्य विद्यालय मिरचाईबाड़ी, कटिहार

मच्छर के है प्रश्नो ही प्रजाति
नर माप्रश्ना में माप्रश्ना जाति

धीरे धीरे गाना गाती
सबकी रक्तो को चुराती

मच्छरप्रश्नानी काम न आए,
जब ये घर में घुस जाए।

एक डंक जब यह मारे,
सारा शरीर खुजाए।

शरीर को लाल कर प्रश्नेती,
अपने बच्चों का पेट पालती

इधर उधर को उड़ते चलती,
चुपके से डंक मरती।

छोटी सी है बड़ी होशियार,
कामो में न माने हार।

किसी ने जो चांटा मारा
खत्म हुई फिर ये कहानी।

शिखा कुमारी
माध्यमिक विद्यालय बहेरा भभुआ

STUDENT OF THE MONTH

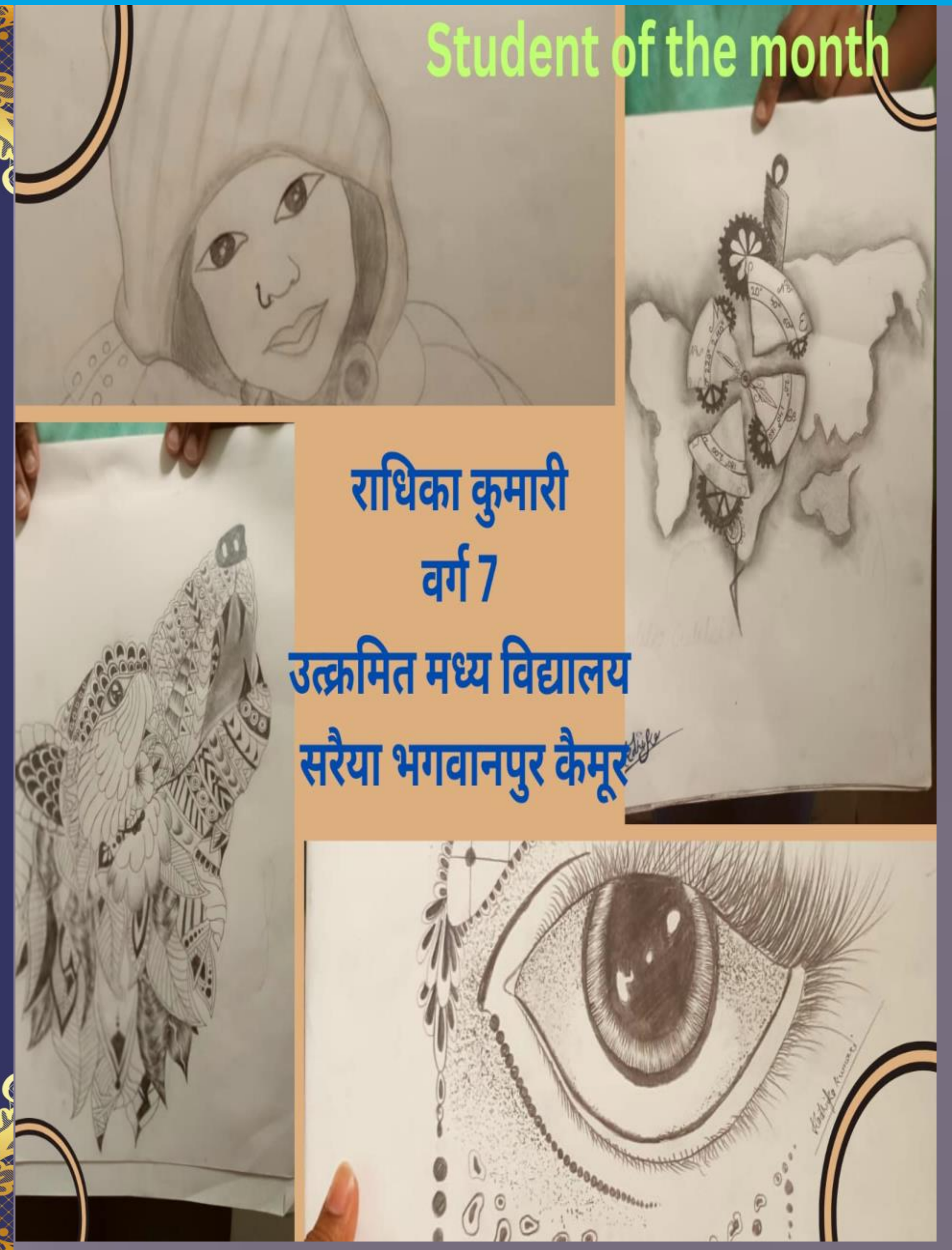

TEADCHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर

CERTIFICATE

OF APPRECIATION

THIS AWARDED TO CERTIFY THAT

RADHIKA KUMARI

Student of the month
MAY 2023

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरैया भगवानपुर कैमूर

विद्यालय की गतिविधियों में अच्छी भागीदारी के साथ कलात्मक,गुणवातापूर्ण शिक्षा के साथ अपने नवाचार से उत्कृष्ट कार्य के लिए "स्टूडेंट ऑफ द मंथ " से सम्मानित किया जाता है।

धीरज कुमार
बालमन कैमूर पत्रिका संपादक

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर पत्रिका के तरफ से बहुत बहुत बधाई

TEACHER OF THE MONTH

MAY 2023

शिक्षक परिचय

TEACHER OF THE MONTH

नाम :राजीव कुमार

विद्यालय : उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा

प्रखंड : मोहनिया

जिला :कैमूर

उपलब्धि : चेतना सत्र का सुव्यवस्थित संचालन ,वर्ग मे सामान्य ज्ञान द्वारा उपस्थिति MDM संचालन में सहयोग के साथ विद्यालय में विभिन्न गतिविधि कार्य सह कलात्मक शिक्षा से बच्चो को जोड़ना।

TEACHERS OF BIHAR

बाल मन कैमूर पत्रिका

TEACHER OF THE MONTH

May 2023

Rajiv Kumar

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा (मोहनियां)

कैमूर

सुव्यवस्थित चेतना सत्र,MDM सामान्य ज्ञान द्वारा उपस्थिति विद्यालय गतिविधि आदि में उत्कृष्ट भागीदारी के लिए बाल मन कैमूर पत्रिका के द्वारा आपको टीचर ऑफ द मंथ की उपलब्धि प्राप्त करने पर सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है।हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

धीरज कुमार
बालमन कैमूर पत्रिका
प्रधान संपादक

Thank You

अपने सुझाव और जवाब मोबाइल नंबर
9431680675 पर दे सकते है।